अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 20-12-2019**

समय : 3 घंटा **द्वितीय वर्ष-द्वितीय प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

(नव पदार्थ) जीव-अजीव–40

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 10

जीव–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) हिंडुक का क्या अर्थ है?

(ख) जीव को जंतु क्यों कहा गया है?

(ग) आचार्य भिक्षु ने शूरवीर के कितने भेद बताए हैं? और उन्हें भाव जीव क्यों कहा गया है?

(घ) जीव को भूत क्यों कहा गया है?

(ङ) रंगण का क्या तात्पर्य है?

अजीव–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें–

(च) धर्मास्तिकाय, अधर्मास्तिकाय, आकाशास्तिकाय और जीवास्तिकाय का प्रमाण कितना है?

(छ) उत्कर शब्द का अर्थ लिखें।

(ज) छाया किसे कहते हैं?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें–(प्रत्येक खंड से एक प्रश्न करें)– 10

(क) **जीव**-द्रव्य जीव तथा भाव जीव किसे कहते हैं? ***अथवा*** नव पदार्थों में जीव कितने और अजीव कितने?

(ख) **अजीव**-समय क्षेत्र किसे कहते हैं? इस क्षेत्र का प्रमाण क्या है? ***अथवा*** काल की पर्याय व समय अनन्त कैसे है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) **जीव**–भाव किसे कहते हैं? भाव के कितने प्रकार हैं? अथवा सिद्ध करें कि आत्मा-शरीर और इन्द्रिय से भिन्न एक स्वतंत्र द्रव्य है?

(ख) **अजीव**–काल का स्वरूप क्या है? ***अथवा*** परमाणु की विशेषताओं का वर्णन करें। आकाश को गमन व स्थिति का कारण क्यों नहीं माना गया?

अवबोध–जीव से संवर–30

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 7

(क) अष्टस्पर्शी वर्गणा के पुद्गल स्कंध अधिक होते हैं या चतुःस्पर्शी वर्गणा के?

(ख) परमाणु में दो स्पर्श कौन से पाते हैं?

(ग) योग की उत्पत्ति का तात्त्विक आधार क्या है?

(घ) क्या सभी तिर्यंचों में संवर की निष्पत्ति हो सकती है?

(ङ) अनाभोगिक मिथ्यात्व किसे कहते हैं?

(च) पुण्यानुबंधी पाप किसे कहते हैं?

(छ) लयन पुण्य से आप क्या समझते हैं?

(ज) अचित महास्कंध चतुःस्पर्शी होता है या अष्टस्पर्शी?

(झ) जीव का सबसे पहला आहार कौन सा है और वह कहां से ग्रहण किया जाता है?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) पुण्य और पाप की कर्म वर्गणा अलग-अलग है या एक ही है?

(ख) पुण्य बंध की इच्छा करनी चाहिए या नहीं?

(ग) आत्मा आठ ही क्यों है?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) चौरासी लाख जीव योनि क्या है? और यह संख्या कैसे बनी है?

(ख) क्या पुद्गल मात्र आंख का विषय बनते हैं? तथा क्या ऐसे भी पुद्गल हैं जिन्हें देख कर जीव होने का भ्रम हो जाता है?

(ग) क्या गर्भ में डिम्ब का प्रत्यारोपण किया जा सकता है?

(घ) पर्याप्ति की क्या उपयोगिता है? व क्या जीव अपर्याप्त अवस्था में आहार कर सकता है?

अमृत कलश भाग–3 (छठा सातवां चषक-तप को छोड़कर)–30

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) अभवी सम्यक्त्वी होता है या मिथ्यात्वी?

(ख) तिरछे लोक की चौड़ाई कितनी है?

(ग) अधिगम सम्यक्त्व से क्या तात्पर्य है?

(घ) क्या सिद्ध संसार में पुनः आते हैं?

(ङ) भाव मंगल से क्या तात्पर्य है?

(च) अर्हत वंदना का आधार क्या है?

(छ) क्या सम्यक्त्वी के अकाम निर्जरा होती है?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में दें– 10

(क) ज्ञान, दर्शन, चारित्र–तीनों में प्रधानता किसको दी गई है?

(ख) सम्यक्त्व कैसे प्राप्त होता है?

(ग) साधु और श्रावक के प्रतिक्रमण में क्या अंतर है?

(घ) वीतराग की शरण लेने का क्या तात्पर्य है?

(ङ) साधु मंगल किस दृष्टि से है?

(च) क्या उपाध्याय पद स्वतः लिया जा सकता है?

(छ) आठ गणि संपदाएं कौन सी हैं?

प्र. 9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 15

(क) अव्यवहार राशि से क्या तात्पर्य है?

(ख) अभवी के सकाम निर्जरा होती है या अकाम? तथा भवी है, मुक्त होने की योग्यता रखते हैं, फिर मुक्त क्यों नहीं होंगे?

(ग) क्या श्रावक के और भी कोई विभाग होते हैं?

(घ) सम्यक्त्व को सुरक्षित कैसे रखा जा सकता है?

(ङ) आचार्य के छत्तीस गुण कौन-कौन से हैं?